ये अव्यक्त इशारे

आत्मिक स्थिति में रहने का अभ्यास करो, अन्तर्मुखी बनो

5-06-2025

जब आत्मायें आपके आत्मिक स्वरूप का अनुभव करेंगी तब वे बाप की तरफ आकर्षित होकर, अहो प्रभू के गीत गायेंगी और देहभान से सहज अर्पण हो जायेंगी। अहो आपका भाग्य! ओहो! मेरा भाग्य! इस भाग्य की अनुभूति के कारण देह और देह के सम्बन्ध की स्मृति का त्याग कर देंगी।

Practise being in the stage of soul consciousness, be introverted

When souls experience your soul conscious form, they will be attracted to the Father, sing songs of, Oho Prabhu (O God), and will easily offer themselves, out of body consciousness. Oho your fortune! Oho. My fortune. Because of experiencing this fortune, they will renounce the awareness of the body and bodily relations.